VAID'S ICS LUCKNOW
IAS/PCS/PCS(J)

Estd :1988

डेली करेंट अफेयर्स अप्रैल –2019

(27th April)

बेपिकोलंबो मिशन

समाचार में क्यों? पिछले पांच महीनों में अंतरिक्ष में किए गए परीक्षणों की एक श्रृंखला के बाद, **ESA-JAXA *बेपिकोलंबो मिश*न** ने अपना पहला चरण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और अब संचालन के लिए तैयार है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

- यूरोपीय अन्तरिक्ष एजेंसी (European Space Agency's – ESA) ने हाल ही में बुध ग्रह के लिए अपना पहला अभियान आरम्भ किया। इस अभियान यान का नाम BepiColombo है।
- इसके अंतर्गत ***फ्रेंच गुआना*** के Kourou स्थित यूरोपीय अन्तरिक्ष अड्डे से ***20 अक्टूबर, 2018*** को ESA के रॉकेट Ariane 5 के माध्यम से 4 टन का एक अन्तरिक्ष यान पृथ्वी की कक्षा में छोड़ा गया था।
- पृथ्वी की कक्षा में पहुँचने के बाद यह अन्तरिक्ष यान बुध ग्रह तक की अपनी ***5 बिलियन किलोमीटर की यात्रा पर निकल जाएगा और वहाँ 2025 तक पहुँच जाएगा।***

बेपिकोलंबो मिशन क्या है?

- BepiColombo यूरोपीय अन्तरिक्ष एजेंसी और जापान एयरोस्पेस अन्वेषण एजेंसी (JAXA) का एक संयुक्त अभियान है जिसका नेतृत्व ESA कर रहा है।

VAID'S ICS LUCKNOW

- बेपीकोलोंबो ***बुध के लिए यूरोप का पहला मिशन है. यह 2018 में स्थापित किया गया था और 2025 में बुध*** पर पहुंचने पर, यह ***350 डिग्री सेल्सियस*** से अधिक तापमान का अनुभव करेगा।
- इस अभियान में ये दो अन्तरिक्ष यान प्रयोग में लाये जाएँगे – MPO (Mercury Planetary Orbiter) और MMO (Mercury's magnetosphere)
- इनमें MPO ***बुध ग्रह की सतह और अंदरूनी बनावट*** का अध्ययन करेगा तो दूसरी ओर **MMO** उस ग्रह की ***चुम्बकीय मंडल*** का विश्लेषण करेगा।
- ***पृथ्वी और शुक्र*** से कई ***गुरुत्वाकर्षण सहायता*** का उपयोग करते हुए अंतरिक्ष यान ***बुध के चारों ओर*** कक्षा में जाने के लिए लगभग ***सात साल*** लगेंगे।

<u>मुख्य तथ्य:</u>

- नासा ***(द नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन)*** ने खुलासा किया है कि सौर मंडल के सबसे छोटे ग्रह बुध का एक बहुत बड़ा ठोस अन्तर्भाग है।
- बुध के ठोस अन्तर्भाग के निष्कर्ष एजीयू ***(अमेरिकन जियोफिजिकल यूनियन)*** जर्नल जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स में प्रकाशित हुए हैं। ***2015 में क्रैश लैंडिंग*** से पहले बुध के आसपास अंतिम यात्रा नासा के ***'मेसेंजर'*** द्वारा की गई थी, अंतरिक्ष यान ने ***2011 से 2015*** के लिए बुध की परिक्रमा की थी और यह बुध के लिए उसका दूसरा मिशन था।
- नासा की जानकारी के अनुसार, बुध और पृथ्वी दोनों के पास धात्विक अन्तर्भाग हैं और पृथ्वी की तरह, बुध का बाहरी अन्तर्भाग तरल धातु का है।
- लेकिन ऐसे संकेत हैं कि ***बुध का अंतरतम अन्तर्भाग, जो बुध की मात्रा का लगभग 85 प्रतिशत*** है, ***ठोस है*** और यह पृथ्वी के आंतरिक अन्तर्भाग के आकार के लगभग समान है।

<u>चुनौतियाँ:</u>

- ***बुध ग्रह*** पर अन्तरिक्ष यान भेजने में एक बड़ी समस्या यह आती है कि वह ***सूर्य से इतना निकट है*** कि वहाँ का गरम वातावरण किसी अंतिरक्ष यान को नुकसान पहुँचा सकता है। इसी कारण अभी तक इस ***ग्रह पर बहुत कम काम हुआ है। ज्ञातव्य है कि NASA के दो अन्तरिक्ष यान बुध की यात्रा कर चुके हैं। NASA के दोनों अन्तरिक्ष यान बुध पर उतरे नहीं थे अपितु बगल से गुजर गए थे।***

****

<u>प्रीलीम्स के लिए तथ्य:</u>

❖ ***<u>मंजीरा वन्यजीव अभयारण्य</u>***

VAIDICS LUCKNOW

- मंजीरा वन्यजीव अभयारण्य (Manjeera Wildlife Sanctuary) ***तेलंगाना के मेडक जिले में स्थित है।*** यह मूल रूप से एक ***मगरमच्छ अभयारण्य है*** किंतु पक्षियों की ***70*** से अधिक प्रजातियाँ यहाँ देखी जा सकती हैं।
- ***यह अभयारण्य सुभेद्य मगरमच्छ* (Mugger Crocodile) *का आवास है।*** मगरमच्छ सबसे अधिक ताजे जल के वातावरण ***जैसे–नदियों, झीलों, पहाड़ी नदियों और गाँव के तालाबों में पाए जाते हैं।*** ये ताजे पानी और तटीय खारे पानी के ***लैगून में भी पाए जा सकते हैं।*** यह मगरमच्छ ***मानव निर्मित जलाशयों में भी रह सकता है।***
-

❖ ***चक्रवात केन्नेथ:***

- हाल ही में ***एक चक्रवात ने अफ्रीकी देश मोजाम्बिक में दस्तक दी। इस चक्रवात का नाम केन्नेथ* (Kenneth) *रखा गया है।*** काबो ***डेलगाडो* (Cabo Delgado)** तट से टकराने वाले अब तक के ***सभी चक्रवातों की तुलना में केन्नेथ अधिक विनाशकारी था।***
- गौरतलब है कि पिछले दिनों मोजाम्बिक में चक्रवात इदई ने दस्तक दी थी। ***नासा के एक्वा उपग्रह*** के आँकड़ों के मुताबिक, इस उष्णकटिबंधीय चक्रवात की उत्पत्ति दक्षिणी हिंद महासागर ***(मेडागास्कर के उत्तर और अल्दाबरा एटोल के पूर्व में)*** में हुई।

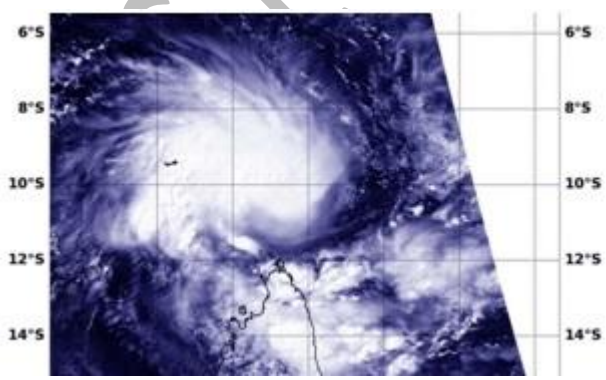

****